एकलव्य

बिल्ली के बच्चे

एक चित्रकथा

CBSE Recommended

NCERT Suggested

वी. सुतेयेव

बिल्ली के बच्चे

चित्र एवं कहानी
वी. सुतेयेव

एकलव्य

बिल्ली के बच्चे

BILLI KE BACHCHE

एक चित्रकथा

चित्र एवं कहानी: वी. सुतेयेव
स्टोरीज़ एण्ड पिक्चर्स की एक चित्रकथा।
प्रगति प्रकाशन, मास्को के सौजन्य से अँग्रेज़ी से अनुदित एवं प्रकाशित।

1999 / 5000 प्रतियाँ
1,83,000 प्रतियाँ प्रकाशित एवं वितरित
मई 2016 / 5000 प्रतियाँ
जनवरी 2017 / 5000 प्रतियाँ
अप्रैल 2017 / 5000 प्रतियाँ
जनवरी 2018 / 10,000 प्रतियाँ
अप्रैल 2018 / 5000 प्रतियाँ
अप्रैल 2019 / 5000 प्रतियाँ
अगस्त 2019 / 5000 प्रतियाँ
मार्च 2020 / 5000 प्रतियाँ
फरवरी 2021 / 5000 प्रतियाँ
फरवरी 2022 / 5000 प्रतियाँ
मई 2023 / 5000 प्रतियाँ

कागज़: 100 gsm मेपलिथो व 220 gsm पेपर बोर्ड (कवर)
पराग इनिशिएटिव, टाटा ट्रस्ट मुम्बई के वित्तीय सहयोग से विकसित।
ISBN: 978-81-89976-08-8
मूल्य: ₹ 40.00
यह किताब अँग्रेज़ी एवं उर्दू में भी उपलब्ध है।

प्रकाशक: **एकलव्य फाउंडेशन**
जमनालाल बजाज परिसर, जाटखेड़ी,
भोपाल - 462 026 (मप्र)
फोन: +91 755 - 297 7770, 71, 72
www.eklavya.in / books@eklavya.in

मुद्रक: बॉक्स कॉरोगेटर्स एंड प्रिंटर्स, भोपाल, फोन: +91 755 - 258 7551

बिल्ली के तीन बच्चे थे।
एक काला, एक भूरा और एक सफेद।

उन्होंने एक चूहा देखा...

... और वे उसके पीछे भागे।

चूहा उचककर आटे के डिब्बे में कूद गया।

एक-एक करके वे तीनों भी डिब्बे में कूद गए।
लेकिन तब तक चूहा निकल भागा।

तीनों बच्चे मायूस होकर डिब्बे से बाहर निकले। उन तीनों का रंग सफेद हो गया था।

बिल्ली के तीन सफेद बच्चों को एक मेंढक दिखा।
वे उसे पकड़ने दौड़े।

मेंढक धुएँ के पाइप में घुस गया।
वे तीनों भी पीछे-पीछे पाइप में घुस गए।

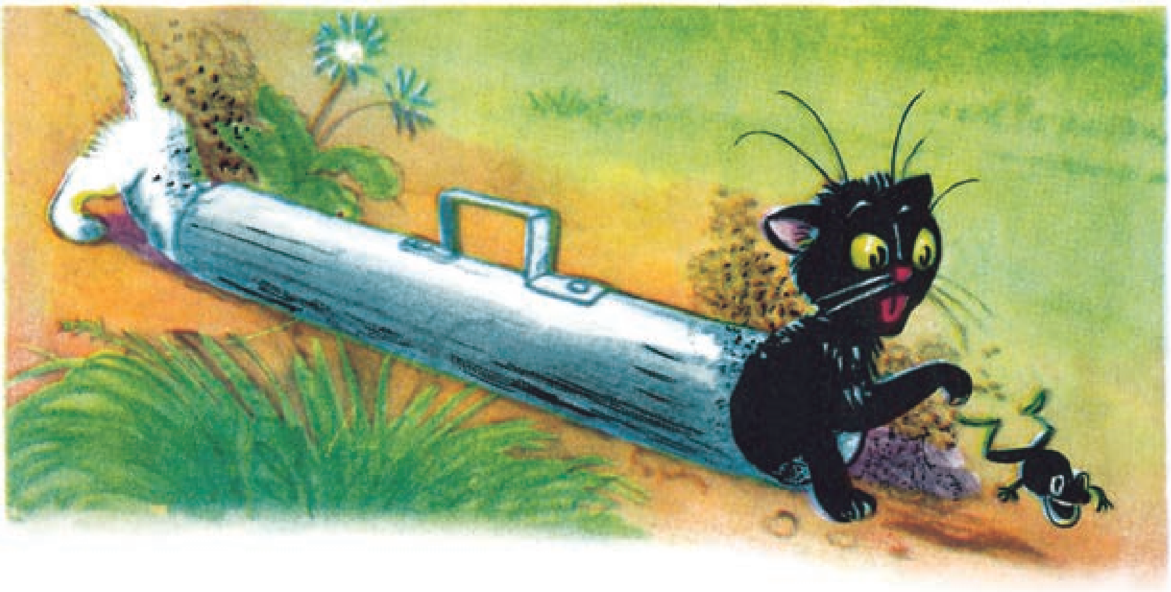

मेंढक पाइप के दूसरे सिरे से बाहर निकला...

... उसके पीछे निकले बिल्ली के तीन काले बच्चे।

बिल्ली के काले बच्चों ने तालाब में एक मछली देखी...

... और उन्होंने तालाब में छलाँग लगा दी।

मछली तैरकर दूर निकल गई।

तीनों धुलकर तालाब से बाहर निकले।

...और चल दिए वापस घर।

बिल्ली के तीन बच्चे।

एक काला, एक भूरा और एक सफेद।

parag
AN INITIATIVE OF TATA TRUSTS
एकलव्य

मूल्य: ₹ 40.00
9 788189 976088